समाचार

# अब देशी स्मार्ट कार, बिना चालक दौड़ेगी

Jun 23, 11:37 am

Print

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) स्वर्ण जयंती वर्ष पर दिसंबर में देश को मानवरहित कार का नायाब तोहफा देगा। इसका प्रोटोटाइप (प्रतिरूप) तैयार कर लिया गया है। बोइंग कंपनी की मदद से दस लाख रुपये के खर्च से इस 'ऑटोनॉमस कार' का मॉडल तैयार कर उसे अंतिम रूप दिया जा रहा है।

संस्थान के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग को अंतर्राष्ट्रीय विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने मानवरहित वाहन डिजाइन (ऑटोनामस व्हीकल प्रोजेक्ट) करने का जिम्मा सौंपा था। पहले चरण में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शांतनु भट्टाचार्या व आठ बीटेक छात्रों ने 8 किलोग्राम भार की 30 सेमी लंबी, इतनी ही चौड़ी व 15 सेमी ऊंची कार का प्रोटोटाइप तैयार कर उसका परीक्षण कर लिया है। प्रो. भट्टाचार्या के मुताबिक ऑटोनामस नेवीगेशन व्हीकल 'अभ्यस्त' के प्रोटोटाइप में लगयी तकनीक को बड़ी कार में लगा देने से मानवरहित कार तैयार हो जायेगी। दिसंबर तक कार के प्रोटोटाइप) को आईआईटी की सड़कों पर दौड़ा कर तकनीक के व्यावसायिक उपयोग की घोषणा कर दी जायेगी।

उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन की जीएसएम नेटवर्क के उपयोग से तैयार कार में थ्री डी कंपास लगाया गया है जो गति, दिशा के साथ अवरोधों के संकेत देगा। कार में जीपीएस (ग्लोबल पोजीशन सिस्टम) लगा है जिस पर रोड मैप फीड रहेगा। जहां का संकेत दिया जायेगा, कार वहीं पहुंचेगी। फिलहाल कार में आईआईटी का रोडमैप फीड किया जा रहा है ताकि उसे परिसर की कई सड़कों पर दौड़ाया जा सके।

मानव रहित कार अपनी गति से चलेगी और जैसे ही सामने कोई अवरोध जैसे वाहन, दीवार, मोड़ या जाम आयेगा तो उसकी गति धीमी होगी, जरूरत पड़ने पर रुक जायेगी। इसके लिए उसमें लोकल सेंसर लगाये गये हैं। ओवरटेक करने के लिए सेंसर के माध्यम से वह स्वयं रास्ता चुनेगी। बैटरी पावर से चलने वाली कार की यदि बैटरी कम हुई तो वह संकेत देगी।

डॉ. शांतनु ने बताया कि भूकंप में मलबे के नीचे, अग्निकांड में आग के बीच, केमिकल युद्ध तथा आतंकी घटनाओं के बीच जहां मनुष्य नहीं पहुंच सकता, आटोनॉमस कार को भेजा सकेगा। इसका रोबोटिक उपयोग भी किया जा सकता है। बोइंग कंपनी ने इस तरह के वाहन तैयार करने के लिए आईआईटी में एक विशेष प्रतियोगिता करायी थी। कार की तकनीकी विकसित करने में मदद करने वाले छात्रों जिंदल, पलाश सोनी, फैज अहमद, गौरव बजाज, अंकुर जैन, शिशिर पांड्या, जी. श्रीराम व मयंक बरनवाल का चयन इसी प्रतियोगिता में किया गया। अगले चरण में मानव रहित हेलीकॉप्टर या विमान बनाने की तैयारी है।

दो सौ कंपनियों को शोध व विकास में मदद

आईआईटी निदेशक प्रो. संजय गोविंद धांडे ने बताया कि शोध व विकास के क्षेत्र में बड़ी कंपनियों का रुख तेजी से बदल रहा है। अभी तक कई कंपनियां नवीन शोध व डिजाइन विकास के लिए अलग से काम करती थीं। अब वे आईआईटी को प्रोजेक्ट दे रही हैं। देश-विदेश की 500 बड़ी कंपनियों में बोइंग, हनीवेल, शेवरॉन जैसी लगभग दो सौ कंपनियों ने अपने रिसर्च प्रोजेक्ट आईआईटी को सौंपे हैं अथवा पेशकश की है।

निजता नीति | सेवा की शर्तें | आपके सुझाव
इस पृष्ठ की सामग्री जागरण द्वारा प्रदान की गई है
कॉपीराइट © 2007 याहू वेब सर्विसेज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सर्वाधिकार सुरक्षित
कॉपीराइट / IP नीति